मुजफ्फरनगर में दंगे से गुड़ कारोबार को लगा करारा झटका

उत्पादक मंडियों में गुड़ के दाम गिरे जबकि दूसरे इलाकों में आई तेजी

बिजनेस भास्कर • नई दिल्ली

मुजफ्फरनगर में हुई सांप्रदायिक हिंसा की आंच गुड़ के कारोबार पर भी पड़ी है। गुड़ उत्पादन में देश की अग्रणी मंडी मुजफ्फरनगर में पिछले पांच दिनों में ही करीब 10 करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है। उत्पादक मंडियों से गुड़ की निकासी नहीं होने के कारण जहां खपत वाले क्षेत्रों में गुड़ की कीमतों में तेजी आई है, वहीं उत्पादक मंडियों में दाम घटे हैं।

फेडरेशन ऑफ गुड़ ट्रेडर्स के अध्यक्ष अरुण खंडेलवाल ने बताया कि चालू महीने के पहले सप्ताह के शुरू में गुड़ का दैनिक कारोबार करीब दो करोड़ रुपये का हो रहा था लेकिन सांप्रदायिक हिंसा के कारण प्रशासन द्वारा कर्फ्यू लगा दिए जाने से कारोबार पिछले पांच-छह दिनों से लगभग ठप सा हो गया है। पिछले पांच दिनों में ही मंडी के कारोबार में करीब 10 करोड़ रुपये की हानि हुई।

उन्होंने बताया कि अक्टूबर महीने में नए गुड़ की आवक शुरू हो जाएगी, जबकि मुजफ्फरनगर मंडी में इस समय करीब 5.70 लाख कट्टे (एक कट्टा-40 किलो) गुड़ का बकाया स्टॉक बचा हुआ है। ऐसे में गुड़ का उठाव नहीं होने से उत्पादक मंडियों में पिछले पांच-छह दिनों में भाव में करीब 75-80 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट आ चुकी है।

गुड़ के थोक कारोबारी हरिशंकर मुंदड़ा ने बताया कि मुजफ्फरनगर मंडी में पिछले तीन-चार दिनों में गुड़ की कीमतों में करीब 25 से 30 रुपये की गिरावट आकर गुरुवार को गुड़ चाकू का भाव घटकर 1,140 से 1,160 रुपये प्रति 40 किलो रहा। उन्होंने बताया कि गुड़ की निकासी नहीं हो रही है जबकि महीने बाद नए गुड़ की आवक शुरू हो जायेगी। ऐसे में स्टॉकिस्टों पर स्टॉक बेचने का दबाव बना हुआ है जिससे कीमतों में और भी गिरावट की संभावना है। गुड़ के कारोबार में लगे 70 फीसदी लोग गांवों के रहने वाले हैं। जबकि कई गांवों से पलायन की खबरें आ रही है। इससे नए सीजन में भी गुड़ का कारोबार प्रभावित होने की आशंका है। मैसर्स देशराज राजेंद्र कुमार के प्रबंधक देशराज ने बताया कि दिल्ली में गुड़ चाकू का भाव बढ़कर 3,200 से 3,300 रुपये क्विंटल हो गया है जबकि गुड़ पेड़ी का भाव 3,450 से 3,550 रुपये प्रति क्विंटल है। हालांकि मुजफ्फरनगर मंडी से आवक प्रभावित हुई है लेकिन अन्य मंडियों से लोडिंग शुरू हो गई है।

Business Bhaskar
13/9/13